वर्षे द्वारो अपरे हैं कर्द आ नहें अपना जनाने की आ देहर अपना अप कड़ीनेंगी के वाद मिलें अपे यह दिखाने की आ आपे यह नामा - जार भी व्यक्त तो अपने विल्ला में जाई विकास कि किया है। दिखान की डाण वहाँ हिमकी न अमर होगार्द्धः पायेगा हिकाने केरणः पर्यगा-के बाद आया- " से सत्यूष्ट्रा प्रानाहिल्य सेसत्यूष्ट्रा- ।।शा रहते पूर्वी सदा इसमें "" सब देवा ने माना है" सबदेवा-निविकार है पश्च इनका रहा तुमकी अत्ये दी होने की हुए तुमके आये- परा। इनकी धारण तो बस करली "- इससे जीवन की मुक्तीरें-- इससे-व्यानी वाते इसे न त्यानकी राज्या दीई तुमकी ज्याने की रणा दीई तुमकी--।।शा अजी भी बाबाओं कहते - इस पर विचारकरे निविवार तारी जा जो केंद्र देवी से पुकार करी रेड देवी से --- ।। शा वड़ा दूर स-केई छेन्मी के-